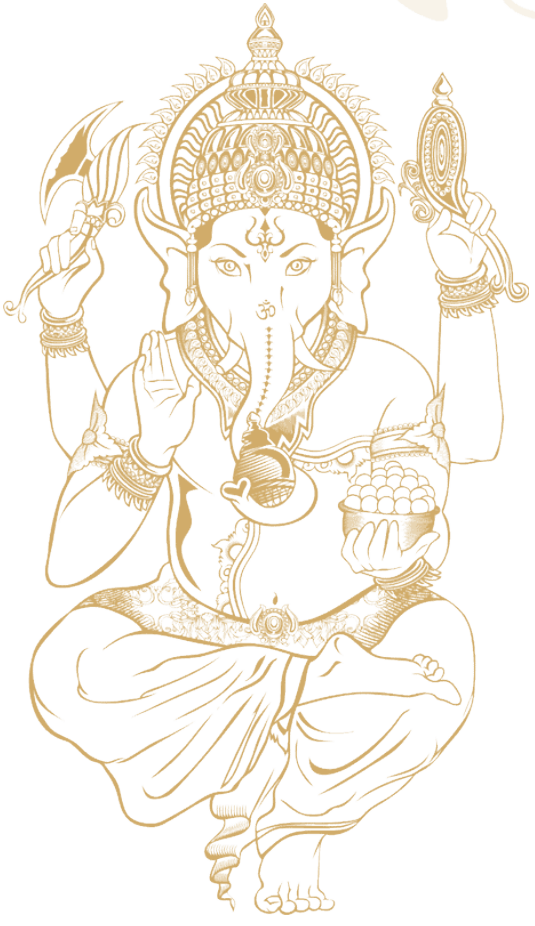

Sangeeta sharma

03 May 1982

07:51 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121448206

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/05/1982**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**07:51:00 घंटे**
इष्ट	05:08:40 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:24:20 घंटे
वेलान्तर	00:03:06 घंटे
साम्पातिक काल	22:07:00 घंटे
सूर्योदय	05:47:31 घंटे
सूर्यास्त	19:00:05 घंटे
दिनमान	13:12:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	18:43:51 मेष
लग्न के अंश	21:36:02 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीना
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	21:36:02	357:06:58	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			मेष	18:43:51	00:58:11	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	21:06:16	13:08:38	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल	व		कन्या	07:15:38	00:06:47	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
बुध			वृष	08:37:50	01:24:11	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		तुला	10:57:12	00:07:32	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	04:48:53	01:06:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि	व		कन्या	23:33:05	00:03:57	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	22:03:05	00:05:19	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	22:03:05	00:05:19	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	09:51:50	00:02:16	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
नेप	व		धनु	03:07:44	00:01:02	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
प्लूटो	व		तुला	01:28:00	00:01:36	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	06:01:56	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:19

लग्न-चलित

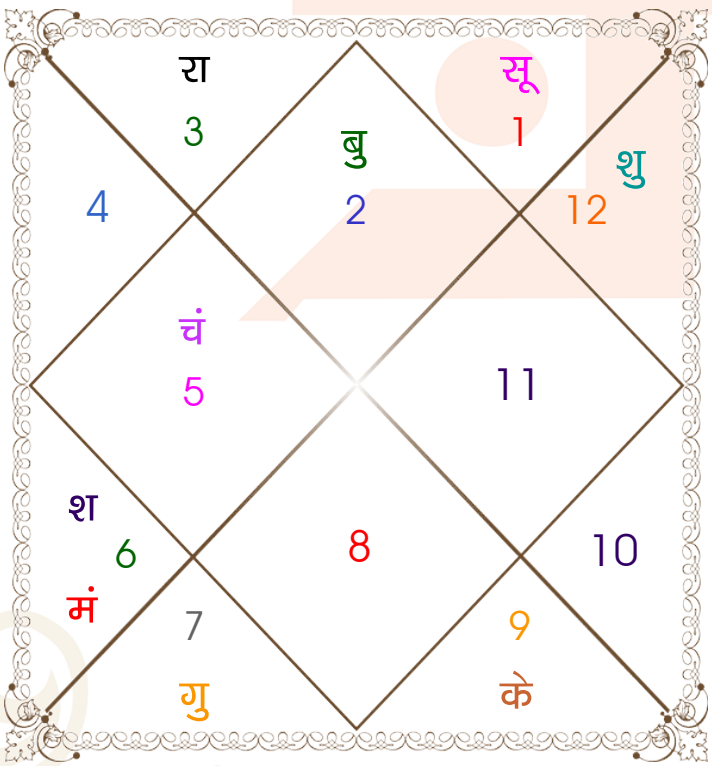

चन्द्र कुंडली

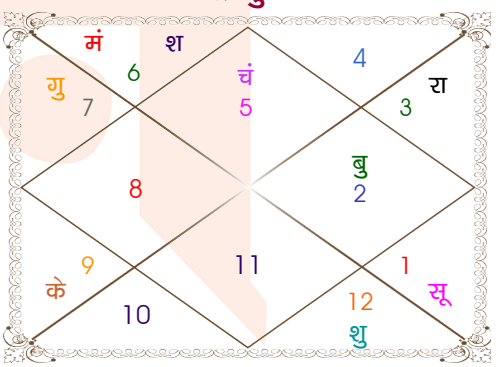

नवमांश कुंडली

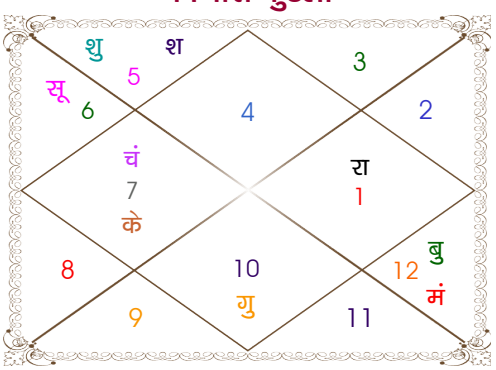

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 8 वर्ष 4 मास 3 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
03/05/1982		05/09/1990		05/09/1996		05/09/2006		05/09/2013	
05/09/1990		05/09/1996		05/09/2006		05/09/2013		06/09/2031	
	00/00/0000	सूर्य	24/12/1990	चंद्र	06/07/1997	मंगल	01/02/2007	राहु	18/05/2016
	00/00/0000	चंद्र	24/06/1991	मंगल	04/02/1998	राहु	20/02/2008	गुरु	12/10/2018
	00/00/0000	मंगल	30/10/1991	राहु	06/08/1999	गुरु	26/01/2009	शनि	18/08/2021
	00/00/0000	राहु	23/09/1992	गुरु	05/12/2000	शनि	07/03/2010	बुध	06/03/2024
	03/05/1982	गुरु	12/07/1993	शनि	06/07/2002	बुध	04/03/2011	केतु	25/03/2025
गुरु	07/07/1983	शनि	24/06/1994	बुध	06/12/2003	केतु	31/07/2011	शुक्र	24/03/2028
शनि	05/09/1986	बुध	01/05/1995	केतु	06/07/2004	शुक्र	29/09/2012	सूर्य	16/02/2029
बुध	06/07/1989	केतु	06/09/1995	शुक्र	07/03/2006	सूर्य	04/02/2013	चंद्र	18/08/2030
केतु	05/09/1990	शुक्र	05/09/1996	सूर्य	05/09/2006	चंद्र	05/09/2013	मंगल	06/09/2031

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
06/09/2031		06/09/2047		05/09/2066		06/09/2083		05/09/2090	
06/09/2047		05/09/2066		06/09/2083		05/09/2090		00/00/0000	
गुरु	24/10/2033	शनि	08/09/2050	बुध	01/02/2069	केतु	02/02/2084	शुक्र	05/01/2094
शनि	06/05/2036	बुध	18/05/2053	केतु	29/01/2070	शुक्र	03/04/2085	सूर्य	05/01/2095
बुध	12/08/2038	केतु	27/06/2054	शुक्र	29/11/2072	सूर्य	09/08/2085	चंद्र	05/09/2096
केतु	19/07/2039	शुक्र	27/08/2057	सूर्य	05/10/2073	चंद्र	10/03/2086	मंगल	05/11/2097
शुक्र	19/03/2042	सूर्य	09/08/2058	चंद्र	07/03/2075	मंगल	06/08/2086	राहु	06/11/2100
सूर्य	05/01/2043	चंद्र	09/03/2060	मंगल	03/03/2076	राहु	24/08/2087	गुरु	04/05/2102
चंद्र	06/05/2044	मंगल	18/04/2061	राहु	20/09/2078	गुरु	30/07/2088		00/00/0000
मंगल	12/04/2045	राहु	23/02/2064	गुरु	26/12/2080	शनि	08/09/2089		00/00/0000
राहु	06/09/2047	गुरु	05/09/2066	शनि	06/09/2083	बुध	05/09/2090		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 8 वर्ष 4 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगी।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ती रहेंगी। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगी, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगी। आप कभी भी छलांग नही लगाती। आप समय की प्रतिक्षा करती हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करती हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करती हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहती हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेती हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करती हैं। परिणाम स्वरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगी। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगी।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगी। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकती हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकती हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाती हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद की गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगी।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगी।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगी।

आप अपने परिवार को अच्दी प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था

करेंगी।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाली हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकती हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकती हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।